A–0305

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

DMA 101

DIPLOMA IN MEDICAL ASTROLOGY (DMA)

चिकित्सा ज्योतिष के मूल सिद्धान्त

Examination, June 2025

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 100

नोट :- यह प्रश्न-पत्र सौ (100) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 2×26=52

नोट :- खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. सृष्टि एवं ब्रह्मांड का परिचय देते हुए। विस्तारपूर्वक उल्लेख कीजिए।

2. ज्योतिष एवं आयुर्वेद के स्वरुप का प्रतिपादन कीजिए।

3. चिकित्सा ज्योतिष की उपयोगिता एवं प्रयोजन को सिद्ध कीजिए।

4. ज्योतिष शास्त्र में रोग ज्ञान के सिद्धांतों का विस्तार पूर्वक वर्णन कीजिए।

5. ग्रहों के उच्च-नीच एवं मूल त्रिकोण का विचार कर प्रतिपादन कीजिए।

अथवा

स्थान एवं भाव से बनने वाले योगों का वर्णन कीजिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न 4×12=48

नोट :- खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. प्राकृतिक चिकित्सा से क्या अभिप्राय है परिचय दीजिए।

2. एक्यूप्रेशर पद्धति का परिचय दीजिए।

3. ज्योतिष और आयुर्वेद का क्या समन्ध है। उल्लेख कीजिए।

4. आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति की प्रासंगिकता का उल्लेख कीजिए।

5. ज्योतिष शास्त्र की वर्तमान समय के परिप्रेक्ष्य में क्या भूमिका हो सकती है, अपने शब्दों में उल्लेख कीजिए।

6. जन्मांध योग से क्या अभिप्राय है, प्रकाश डालिए।

7. बधिर एवं जड़ता योग को उदाहरण सहित लिखो।

8. नक्षत्रों से रोग विचार का ज्ञान कैसे किया जाता है।

अथवा

यौगिक चिकित्सा पर टिप्पणी लिखिए।

****